नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 03-08-2019

प्रकाशनार्थ

मैथलीकरण गुप्त हिन्दी साहित्य के मुख्यतः खड़ी बोली के प्रथम महत्वपूर्ण कवि हैं। उन्हे साहित्य जगत में दद्दा नाम से सम्बोधित किया जाता था। उनकी कृति भारत–भारती भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समय अत्यंत प्रभावशाली साबित हुई और इसी कारण महात्मा गांधी जी ने उन्हे राष्ट्र कवि की पदवी प्रदान की। उनकी जयन्ती को हर वर्ष 'कवि दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

उक्त बाते महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आचार्य मैथिलीशरण गुप्त जी की जयन्ती के अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कही। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत काव्य 'भारत–भारती' की रचना करने वाले, महान कवि मैथिलीशरण गुप्त जी का जन्म आज ही के दिन 1886 ई. में हुआ था, 12 वर्ष की अल्पायु में इन्होंने ब्रज भाषा में काब्य रचना का कार्य प्रारम्भ किया। युवावस्था में ये आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के सम्पर्क में आये जिससे उनकी साहित्य में रूचि और गहरी होती चली गयी। गुप्त जी द्वारा रंग में भंग, जयद्रध वध, भारत–भारती सहित अनेक रचनाएँ सरस्वती पत्रिका में प्रकाशित हुयी। मैथिलीशरण गुप्त जी को शिक्षा के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान के लिए पद्म भूषण, पद्म विभूषण जैसे महत्वपूर्ण सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 विजय चौधरी, डॉ0 आर.एन. सिंह, डॉ0 अरूण राव, डॉ0 राजेश शुक्ल,डॉ0 यशवंत राव, डॉ0 दीप्ती गुप्ता, श्री सुबोध मिश्र, डॉ0 सौरभ सिंह, श्रीमती नूपूर शर्मा, सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(श्री वागीश राज पाण्डेय)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी